[Shri Swaran Singh]

9·4% and below should be Rs. 4·96 nP per quintal as compared to the present price at that level of Rs. 4·69 nP to Rs. 4·85 nP per quintal. There would be a premium as before of 4 nP per quintal of sugarcane for every additional 0·1% of recovery. The necessary notification prescribing the minimum price payable by each factory would be issued on this basis in due course after the final position about recoveries of the current year is known. I should also like to add that as against the system of reduction for road transport of cane which was prevalent upto 1962-63, viz. from 32 nP to 96 nP per quintal from the factory gate price, depending on the distance the permissible reduction would continue to be only 32 nP per quintal as in the current year and the balance of the expenses upto a maximum of 64 nP per quintal would be taken to manufacturing cost of sugar. This would bring the system regarding road transport in line with that for rail transport.

17:04 hrs.

BUSINESS ADVISORY COMMITTEE

TWENTY-FIFTH REPORT

Shri Rane (Buldana): I beg to present the Twenty-fifth Report of the Business Advisory Committee.

Shri Bhagwat Jha Azad (Bhagalpur): Sir, since the Question Hour this morning, I am very much emotionally upset for the remarks I made. Therefore, I express my regret for what I have said.

Mr. Speaker: I am thankful for the hon. Member; he had said it perhaps in a youthful mood.

17.05 hrs.

*PROFITEERING IN GUR

श्री प्रकाश वीर शास्त्री (बिजनौर) : अध्यक्ष महोदय, चीनी आक्रमण के बाद हमारे देश में बाजारों पर सन्तुलन रखने के लिये और आर्थिक व्यवस्था बनाये रखने के लिये भारतीय सुरक्षा अधिनियम की व्यवस्था की गई थी जिस के अनुसार यह निश्चित किया गया था कि बाजारों में अधिक मुनाफाखोरी कोई न करे इस के लिये आवश्यक देख रेख रखी जाये । इस के साथ साथ अभी कुछ दिन पहले हमारे गृह-मंत्री श्री नन्दा ने भ्रष्टाचार के विरुद्ध एक अभियान बड़ी दृढ़ता से इस देश में चलाया और उन्होंने साहस के साथ यह घोषणा की थी कि दो वर्ष में देश से भ्रष्टाचार समाप्त कर दिया जायेगा ।

जिस चर्चा को मैं आज उपस्थित करने लगा हूं उसे उपस्थित करने का बहुत बड़ा कारण यह है कि अभी भ्रष्टाचार विरोधी अभियान रूपी शिशु अपनी माता के पेट में पूरी तरह से हाथ पैर भी नहीं बनते पाये थे कि इस प्रकरण द्वारा उस की भ्रूण हत्या होती नजर आ रही है । मैं इस चर्चा को उठाने से पहले विशेष रूप से यह बात कहना चाहता हूं कि देखा यह जा रहा है कि कानून के शिकंजे में छोटी छोटी मछलियां तो फंस रही हैं लेकिन बड़े बड़े मगर मच्छ उस से निकल रहे हैं, इस सेन्ट्रल कोआपरेटिव स्टोर ने गुड़ के ऊपर जो मुनाफाखोरी की, जिस की चर्चा संसद के पिछले अधिवेशन में और अब लगातार तीन, चार दिनों से चल रही है, उस में मुख्य दोषी कौन है, केवल इसी के सम्बन्ध में मैं चर्चा करना चाहता हूं । जिन के केस न्यायालय के अन्दर हैं उन से सम्बन्धित मैं कोई चर्चा नहीं करना चाहता ।

---

*Half-An-Hour Discussion.